# जनेप प्राधिकरणाला मिळाला बेल्जियमच्या महामहिम राजकुमारी ॲस्ट्रिड यांचे यजमानपद भूषविण्याचा बहुमान; द्विपक्षीय सागरी सहकार्य बळकट होत आहे

मुंबई, **7** मार्च **2025** - भारतातील सर्वोत्तम कामगिरी करणारे बंदर, जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणास (जनेप प्राधिकरण) महामहिम महाराज बेल्जियम यांच्या प्रतिनिधी, महामहीम राजकुमारी ॲस्ट्रिड यांच्या अधिकृत भारत भेटीदरम्यान, त्यांचे आदरातिथ्य करण्याचा बहुमान मिळाला. जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष व वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेडचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालक, श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., यांनी प्रतिष्ठित व्यावसायिक शिष्टमंडळासह महामाहिम राजकुमारी यांचे हृद्य स्वागत केले.

शिष्टमंडळाचे स्वागत करताना, जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष व वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेडचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालक, श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., यांनी जनेप प्राधिकरणाचे कामकाज, पायाभूत सुविधा विकास आणि भारताच्या सागरी व्यापार आणि आर्थिक विकासाला चालना देण्यासाठी सज्ज असलेला एक परिवर्तनशील उपक्रम असलेल्या वाढवण बंदर प्रकल्पाचा सर्वसमावेशक आढावा घेतला.

जनेप प्राधिकरण आणि एपेक-अँटवर्प/फ्लँडर्स पोर्ट ट्रेनिंग सेंटर यांच्यात सामंजस्य करारावर स्वाक्षऱ्या करणे हा या भेटीचा निर्णायक क्षण होता. हा करार भारतात बंदर-केंद्रित प्रशिक्षण संस्था स्थापन करण्याचा पाया रचतो, ज्यामुळे सागरी शिक्षणाला चालना देण्यासाठी आणि कुशल मनुष्यबळ विकसित करण्यासाठी जनेप प्राधिकरणाच्या प्रयत्नांना बळकटी मिळते.

या प्रसंगी बोलताना, जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष व वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेडचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालक, श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., म्हणालेः "बेल्जियमच्या महामहिम राजकुमारी ॲस्ट्रिड आणि प्रतिष्ठित शिष्टमंडळाचे यजमानपद जनेप प्राधिकरणाने भूषवणे ही सन्मानाची बाब आहे. हा दौरा भारत आणि बेल्जियम यांच्यातील दृढ सागरी संबंधांची पुष्टी करतो. एपीईसी-अँटवर्प/फ्लँडर्स बंदर प्रशिक्षण केंद्रासोबत झालेल्या सामंजस्य करारामुळे बंदर प्रचालन आणि प्रशिक्षण कार्यक्रमात उत्कृष्टता वाढवण्याच्या दिशेने एक पाऊल पुढे टाकले आहे. जनेप प्राधिकरण जागतिक भागीदारी वाढवण्यासाठी आणि सागरी क्षेत्रातील शाश्वत वाढीस चालना देण्यासाठी वचनबद्ध आहे."

या भेटीदरम्यान, महामहिम राजकुमारी आणि शिष्टमंडळाने जनेप प्राधिकरणाच्या ड्रेजिंग ऑपरेशनमध्ये सक्रियपणे सहभागी असलेल्या डीईएमई हॉपर ड्रेजिंग जहाज 'कांगो रिव्हर'ला भेट दिली, जे जनेप प्राधिकरणाच्या कोस्टल बर्थ येथे उभे आहे. यावेळी नौवहन कार्यक्षमता वाढवण्याच्या जनेप प्राधिकरणाच्या प्रयत्नांची इत्यंभूत माहिती मिळवत, जहाजातील प्रगत ड्रेजिंग तंत्र आणि परिचालन क्षमतांचे निरीक्षण करण्याची संधी या शिष्टमंडळाला मिळाली. या भेटीने जनेप प्राधिकरणासाठी शाश्वत ड्रेजिंग उपायांमधील आपले कौशल्य आणि जागतिक दर्जाच्या बंदर पायाभूत सुविधा राखण्यासाठीची वचनबद्धता दर्शविण्यासाठी एक व्यासपीठ म्हणूनही काम केले.

महामहिम राजकुमारी आणि शिष्टमंडळाने विद्यमान जनेप प्राधिकरण-एपीईसी प्रशिक्षण केंद्राला भेट दिली, जिथे त्यांनी भारतातील कौशल्य विकास आणि सागरी प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्धित करण्यावर चर्चा केली.

बेल्जियमच्या महामहिम राजकुमारी ॲस्ट्रिड यांचा जनेप प्राधिकरणाचा दौरा हा भारत-बेल्जियम सागरी सहकार्य बळकट करण्याच्या दिशेने एक महत्त्वपूर्ण पाऊल आहे. यामुळे बंदर विकास, प्रशिक्षण आणि शाश्वत सागरी उपाययोजनांमध्ये भविष्यातील सहकार्याचा मार्गही मोकळा होईल.

या शिष्टमंडळात महामहिम श्री मॅक्सिम प्रीव्होट, उपपंतप्रधान आणि परराष्ट्र व्यवहार, युरोपियन व्यवहार आणि विकास सहकार्य मंत्री, संघीय शासन, महामहिम श्री मॅथियस डीपेंडेल, मंत्री-फ्लँडर्स सरकारचे अध्यक्ष आणि फ्लेमिश अर्थमंत्री, नवोन्मेष आणि उद्योग मंत्री, परराष्ट्र व्यवहार, डिजिटायझेशन आणि सुविधा व्यवस्थापन, फ्लँडर्स सरकार, महामहीम श्री डिडिएर वॅन्डरहॅसल्ट, बेल्जियम साम्राज्याचे भारतातील राजदूत, भारतातील बेल्जियम दूतावास, श्री फ्रँक गेर्केन्स, महावाणिज्यदूत, मुंबई, महावाणिज्यदूत बेल्जियम, मुंबई, श्री पीट डिमंटर, प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फ्लँडर्स इन्व्हेस्टमेंट ॲंड ट्रेड, श्री क्रिस्टॉफ वॉटरशूट, व्यवस्थापकीय संचालक, पोर्ट ऑफ ॲंटवर्प-ब्रूजेस इंटरनॅशनल, राजदूत श्री डर्क वॉटर्स, महामहिम राजकुमारी ॲस्ट्रिड यांचे सल्लागार, रॉयल पॅलेस, श्री ल्यूक अर्नोट्स, संचालक आंतरराष्ट्रीय संबंध, पोर्ट ऑफ ॲंटवर्प-ब्रुजेस, श्री ब्रॅम वांडेपिट. क्षेत्र व्यवस्थापक दक्षिण आशिया, ड्रेजिंग, पर्यावरण आणि सागरी अभियांत्रिकी, राजदूत श्री डर्क वॉटर्स, महामहिम राजकुमारी ॲस्ट्रिड यांचे सल्लागार, रॉयल पॅलेस आदी मान्यवरांचा सहभाग होता.

जनेप प्राधिकरण बद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एन एस एफ टी , एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. याव्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्रातील वाढवण येथे सर्व हवामानात काम करण्यायोग्य, २० मीटर नैसर्गिक खोल, ग्रीनफिल्ड पोर्ट विकसित करत आहे. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

# जनेप प्राधिकरण को बेल्जियम की राजकुमारी महामहिम एस्ट्रिड की मेहमान नवाज़ी करने का सम्मान प्राप्त हुआ; द्विपक्षीय समुद्री सहयोग मजबूत हो रहे है

**मुंबई, 7 मार्च, 2025 -** भारत के सर्वश्रेष्ठ पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) को बेल्जियम की महामहिम राजकुमारी एस्ट्रिड, महामहिम महाराज की प्रतिनिधि, का भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान स्वागत करने का सम्मान प्राप्त हुआ। एक सम्मानित व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ महामहिम का जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने जनेप प्राधिकरण के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और बहुप्रतीक्षित वाढवण पत्तन परियोजना का एक व्यापक अवलोकन प्रदान किया-जो भारत के समुद्री व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी पहल है।

इस यात्रा का एक निर्णायक क्षण जनेप प्राधिकरण और एपीईसी-एंटवर्प/फ्लैंडर्स पोर्ट ट्रेनिंग सेंटर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करना था। यह समझौता भारत में एक पत्तन-केंद्रित प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की नींव रखता है, जो समुद्री शिक्षा को आगे बढ़ाने और एक कुशल कार्यबल विकसित करने के लिए जनेप प्राधिकरण के प्रयासों को मजबूत करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने कहाः "बेल्जियम की महामहिम राजकुमारी एस्ट्रिड और प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल की जनेप प्राधिकरण में मेजबानी करना एक सम्मान की बात है। यह यात्रा भारत और बेल्जियम के बीच मजबूत समुद्री संबंधों की पुष्टि करती है। एपेक-एंटवर्प/फ्लैंडर्स पोर्ट ट्रेनिंग सेंटर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर पत्तन प्रचालन और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनेप प्राधिकरण वैश्विक साझेदारी बढ़ाने और समुद्री क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।"

यात्रा के दौरान, महामहिम राजकुमारी और प्रतिनिधिमंडल जनेप प्राधिकरण के तटीय घाट पर खडे डीईएमई हॉपर ड्रेजिंग पोत कांगो रिव्हर पर सवार हुए, जो जनेप प्राधिकरण में निकर्षण प्रचालन में सक्रिय रूप से शामिल है। प्रतिनिधिमंडल ने पोत की उन्नत निकर्षण तकनीकों और परिचालन क्षमताओं का निरीक्षण किया, जिससे नौवहन दक्षता बढ़ाने के लिए जनेप प्राधिकरण के प्रयासों को जानने – समझने का उन्हें अवसर प्राप्त हुआ। इस यात्रा ने जनेप प्राधिकरण के लिए स्थायी निकर्षण समाधानों में अपनी विशेषज्ञता और विश्व स्तरीय पत्तन बुनियादी ढांचे को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया।

महामहिम राजकुमारी और प्रतिनिधिमंडल ने मौजूदा जनेप प्राधिकरण-एपीईसी प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया, जहां भारत में कौशल विकास और समुद्री प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने पर चर्चा की गई।

बेल्जियम की महामहिम राजकुमारी एस्ट्रिड की जनेप प्राधिकरण की यात्रा भारत-बेल्जियम समुद्री सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पत्तन विकास, प्रशिक्षण और स्थायी समुद्री समाधानों में भविष्य के लिये मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में महामहिम श्री मैक्सिम प्रिवोट, उप प्रधान मंत्री और विदेश मामलों के मंत्री, यूरोपीय मामले और विकास निगम, संघीय सरकार, महामहिम श्री मैथियस डीपेंडेल, मंत्री-फ्लैंडर्स सरकार के राष्ट्रपति और फ्लेमिश वित्तमंत्री, नवाचार और उद्योग, विदेश मामले, डिजिटलीकरण और सुविधा प्रबंधन, फ़्लैंडर्स सरकार, भारत स्थित बेल्जियम साम्राज्य के राजदूत महामहिम श्री डिडिएर वैंडरहैसल्ट, भारत स्थित बेल्जियम दूतावास, श्री फ्रैंक गेरकेन्स, महावाणिज्यदूत, मुंबई, महावाणिज्यदूत बेल्जियम-मुंबई, श्री पीट डिमंटर, कार्यवाहक सीईओ, फ़्लैंडर्स इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेड, श्री क्रिस्टॉफ़ वाटरशूट, प्रबंध निदेशक, पोर्ट ऑफ एंटवर्प-ब्रूजेस इंटरनेशनल, राजदूत डर्क वॉटर्स, महामहिम राजकुमारी एस्ट्रिड के सलाहकार, रॉयल पैलेस, श्री ल्यूक अर्नोट्स, पोर्ट ऑफ एंटवर्प-ब्रूजेस के निदेशक अंतर्राष्ट्रीय संबंध, श्री ब्रैम वांडेपिट, क्षेत्र प्रबंधक दक्षिण एशिया, निकर्षण, पर्यावरण और समुद्री इंजीनियरिंग, राजदूत डर्क वॉटर्स, महामहिम राजकुमारी एस्ट्रिड के सलाहकार, रॉयल पैलेस, आदी मान्यवर सम्मिलित हुए थे।

जनेप प्राधिकरण के बारे में :

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में रूपांतरण किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का प्रचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी का घाट भी है। जेएनपीए पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

# JNPA Honoured to Host Her Royal Highness Princess Astrid of Belgium; Strengthening Bilateral Maritime Cooperation

**Mumbai, March 7, 2025 –** Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's Best Performing Port, had the distinct honor of welcoming **Her Royal Highness Princess Astrid of Belgium**, Representative of His Majesty the King, during her official visit to India. Her Royal Highness, accompanied by an esteemed business delegation, was warmly received by Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, **Chairperson, JNPA and CMD, VPPL**.

Welcoming the delegation, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, **Chairperson, JNPA**, and **CMD, VPPL**, provided a comprehensive overview of JNPA's operations, infrastructure developments, and the highly anticipated **Vadhvan Port Project**—a transformative initiative poised to bolster India's maritime trade and economic growth.

A defining moment of the visit was the signing of a Memorandum of Understanding (MoU) between JNPA and APEC-Antwerp/Flanders Port Training Centre. This agreement sets the foundation for establishing a port-focused training institute in India, reinforcing JNPA's efforts to advance maritime education and develop a skilled workforce.

Speaking on the occasion, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, **Chairperson, JNPA**, and **CMD, VPPL,** said: *"It is an honor to host Her Royal Highness Princess Astrid of Belgium and the distinguished delegation at JNPA. This visit reaffirms the strong maritime ties between India and Belgium. The signing of the MoU with APEC-Antwerp/Flanders Port Training Centre is a step forward in fostering excellence in port operations and training. JNPA remains committed to enhancing global partnerships and driving sustainable growth in the maritime sector."*

During the visit, Her Royal Highness and the delegation boarded the DEME hopper dredging vessel Congo River, berthed at the JNPA Coastal Berth, which is actively involved in dredging operations at JNPA. The delegation had the opportunity to observe the vessel's advanced dredging techniques and operational capabilities, gaining insights into JNPA's efforts to enhance navigational efficiency. The visit also served as a platform for JNPA to showcase its expertise in sustainable dredging solutions and commitment to maintaining world-class port infrastructure.

Her Royal Highness and the delegation further visited the **existing JNPA-APEC Training Centre**, where they engaged in discussions on enhancing skill development and maritime training programs in India.

The visit of Her Royal Highness Princess Astrid of Belgium to JNPA marks a significant step in strengthening Indo-Belgian maritime cooperation. It will also pave the way for future avenues in port development, training, and sustainable maritime solutions.

The delegation included HE Maxime PREVOT, Deputy Prime Minister and Minister of Foreign Affairs, European Affairs and Development Cooperation, FEDERAL GOVERNMENT, HE Matthias DIEPENDAELE, Minister-President of the Government of Flanders and Flemish Minister for Economy, Innovation & Industry, Foreign Affairs, Digitisation and Facility Management, GOVERNMENT OF FLANDERS, HE Didier VANDERHASSELT, Ambassador of the Kingdom of Belgium to India, EMBASSY OF BELGIUM IN INDIA, Mr Frank GEERKENS, Consul General in Mumbai, CONSULATE GENERAL OF BELGIUM-MUMBAI, Mr Piet DEMUNTER, Acting CEO, FLANDERS INVESTMENT & TRADE, Mr Kristof WATERSCHOOT, Managing Director, PORT OF ANTWERP-BRUGES INTERNATIONAL, Ambassador Dirk WOUTERS, Adviser to Her Royal Highness Princess Astrid, ROYAL PALACE, Mr Luc ARNOUTS, Director International Relations, PORT OF ANTWERP-BRUGES, Mr Bram VANDEPITTE. Area Manager South Asia, DREDGING, ENVIRONMENTAL & MARINE ENGINEERING, Ambassador Dirk WOUTERS, Adviser to Her Royal Highness Princess Astrid, ROYAL PALACE.

**About JNPA:**
The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

**For media enquiries, please contact:**
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in